♦ छायावाद में कवि कोमलकान्त पदावली का प्रयोग करते थे। निम्नलिखित शब्दों के स्थान पर कविता में प्रयुक्त शब्द छाँटकर लिखें। ഛായാവാദത്തിൽ കവികൾ കോമളകാന്ത പദാവലി ഉപയോഗിച്ചിരുന്നു. താഴെ തന്നിരിക്കുന്ന വാക്കുകളുടെ സ്ഥാനത്ത് കവിതയിൽ പ്രയോഗിച്ചിരിക്കുന്ന വാക്കുകൾ തെരഞ്ഞെടുത്ത് എഴുതാം.

वसंत - मधु

मौसम - ऋतु

भूमि - वसुधा

आकाश - नभ

जंगल - झाड़खंड़

शिशिर - पतझड़

कलि - अंकुर

किसलय - पल्लव

मलयसमीर - मलयानिल

आँख - नयन

कमल - नलिन

• **निम्नलिखित पंक्तियों का आशय व्यक्त करें।** താഴെതന്നിരിക്കുന്ന വരികളുടെ ആശയം എഴുതാം.

इस एकांत सृजन में कोई
कुछ बाधा मत डालो
जो कुछ अपने सुंदर से हैं
दे देने दो इनको।

हिन्दी के प्रसिद्ध कवि श्री जयशंकर प्रसाद की एक छोटी कविता मधुऋतु से ली गयी पंक्तियाँ हैं ये। कवि के मत में प्रकृति स्वयं अपने में भरी चीज़ों को सजाकर उनका सौन्दर्य बढ़ाती है। जैसेः पल्लवों से भरे पौधे, मलयानिल से पुलकित कमल, लाल रंग का प्रभात और ओस से भरा अंतरिक्ष। कवि हमें बताते हैं कि इस प्रकार के एकांत सृजन में कोई कुछ बाधा मत डालना। इन प्राकृतिक चीज़ों की सुंदरता वे हमें देते हैं। अर्थात् प्रकृति का सौन्दर्य हमारेलिए हैं और हमें उन्हें बढ़ाना चाहिए। इन पंक्तियों से कवि प्रकृति के संरक्षण की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं।